मैंने सब कुछ पाया दाती

मैंने, सब कुछ पाया दाती,
तेरा दर्शन पाना, बाकी है ॥
*मेरे, घर में कोई कमी नहीं ॥,
बस तेरा आना, बाकी है
मैंने सब कुछ,,,,,,,,,,,,,

जो, मेरे घर में, आओ माँ,
"मेरा घर तीर्थ, बन जाएगा" ।
मैं, भी तर जाऊँगा मईया,
"जो आएगा, तर जायेगा" ।
इज़्ज़त शोहरत, दौलत तो मिली,
मेहरों का खज़ाना, बाकी है ।
मैंने सब कुछ,,,,,,,,,,,,,

हर मुराद, पूरी होती है,
"माँ तेरे ही दरबार में" ।
तेरे दर जैसा, नहीं देखा,
"दर कोई, संसार में" ।
दर दर की ठोकर, खाई है,
बस तेरा ठिकाना, बाकी है ।
मैंने सब कुछ,,,,,,,,,,,,,

भक्त तेरे, भोले भाले,
"माँ तेरे, शुक्र गुज़ार हैं" ।
तेरी, कृपा से, सब को मिली,
"माँ खुशियाँ, अपरम्पार हैं" ।
तर गएँ लाखों, माँ भक्त तेरे,
सेवादार दीवाना, बाकी है ।
मैंने सब कुछ,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12421/title/maine-sab-kuchh-paya-dati

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |